

गंधर्वैरिति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ जीवमाहं जीवंतमेव गृहीत्वेति णमुलं कषादित्वादयहीदित्यनुप्रयोगः ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ राज्ञायुधिष्ठिर
 वैशंपायन उवाच गंधर्वैस्तु महाराज भग्नैर्कर्णमहारथे ॥ संप्राद्रवच्चमूः सर्वा धार्तराष्ट्रस्य पश्यतः ॥ १ ॥ तान् द्रुवाद्रवतः सर्वान् धार्तराष्ट्रान् पराङ्मुखान् ॥ दु
 र्योधनो महाराजो नासीत् तत्र पराङ्मुखः ॥ २ ॥ तामापतन्तीं संप्रेक्ष्य गंधर्वाणां महाचमूं ॥ महता शरवर्षेण सोभ्यवर्षदरिंदमः ॥ ३ ॥ अचिंत्य शरवर्षं तु गंधर्वास्तस्य
 नो विरथं पतितं भुवि ॥ अभिद्रुत्य महाबाहुर्जीवग्राहमथाग्रहीत् ॥ ४ ॥ युगमीषां वरूथं च तथैव ध्वजसारथी ॥ अश्वांस्त्रिवेणुं तल्पं च तिलशो व्यधमञ्छरैः ॥ ५ ॥ दुर्योधनं चित्रसे
 शतिचित्रसेनावादायान्ये विद्रुवुः ॥ विदानुविदावपरे राजदारांश्च सर्वशः ॥ ६ ॥ तास्मिन् गृहीते राजेन्द्रस्थितं दुःशासनं रथे ॥ पर्यगृह्णन्तं गंधर्वाः परिवार्य समन्ततः ॥ ७ ॥ विविं
 दा ॥ ८ ॥ शकटापणवेशाश्च यानयुग्यं च सर्वशः ॥ शरणं पांडवान् जग्मुर्द्विजमाने महीपतौ ॥ ९ ॥ सैनिका ऊचुः प्रियदर्शं महाबाहो धार्तराष्ट्रो महाबलः ॥ गंध
 र्वैर्द्विजते राजा पार्थास्तमनुधावत ॥ १० ॥ दुःशासनो दुर्विषहो दुर्मुखो दुर्जयस्तथा ॥ बध्वाक्रियन्ते गंधर्वैराजदाराश्च सर्वशः ॥ ११ ॥ इति दुर्योधनामात्याः क्रोशं
 तो राजगृह्णिनः ॥ आर्तादीनास्ततः सर्वे युधिष्ठिरमुपागमन् ॥ १२ ॥ तांस्तथा व्यथितान् दीनान् भिक्षमाणान् युधिष्ठिरं ॥ वृद्धान् दुर्योधनामात्यान् भीमसेनोभ्यभा
 षत ॥ १३ ॥ महता हि प्रयत्नेन संनत्य गजवाजिभिः ॥ अस्माभिर्यदनुष्ठेयं गंधर्वैस्तदनुष्ठितं ॥ १४ ॥ अन्यथा वर्तमानानां मर्त्यो जातो यमन्यथा ॥ दुर्मित्रितमिदं ता
 तः ॥ येनास्माकं हृतो भार आसीनानां सुखावहः ॥ १५ ॥ शीतवाता तपसा हंस्तपसा चैव कर्षितान् ॥ समस्थो विषमस्थान् हि द्रष्टुमिच्छति दुर्मतिः ॥ १६ ॥ अ
 धर्मो हि कृतस्तेन येनैतदुपशिक्षितं ॥ अनृशं सास्तु कौंतेयास्तत्प्रत्यक्षं ब्र
 ह्म ॥ १७ ॥ एवं ब्रुवाणं कौंतेयं भीमसेनमपस्वरं ॥ न कालः परुषस्यायमिति राजाभ्यभाषत ॥ १८ ॥ इति श्रीमहाभारते आरण्यके पर्वणि धोषयात्राप
 ० ॥ १९ ॥

॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥